पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.08.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

ठाकुर विक्रम सिंह ट्रस्ट द्वारा

आर्यन अभिनन्दन समारोह

रविवार, 17 सितम्बर 2017
प्रातः 10 बजे
स्थानः आर्य समाज
डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली
आप सादर आमन्त्रित हैं

वर्ष-34 अंक-05 श्रावण-2074 दयानन्दाब्द 193 01 अगस्त से 15 अगस्त 2017 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.08.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

॥ ओ३म् ॥

स्थापित 3 जून 1978

यदि आप आर्य युवा शक्ति की कार्यप्रगति की एक झलक देखना चाहते हैं तो अवश्य पधारें

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत)

ओ३म्
बलमुपास्व

39 वाँ वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन

अध्यक्षताः **डॉ. अशोक कुमार चौहान जी**
(संस्थापक अध्यक्ष, ऐमटी शिक्षण संस्थान)

सानिध्यः **स्वामी आर्यवेश जी**
(प्रधान, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा)

राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन

रविवार, 3 सितम्बर 2017, प्रातः 9.00 से सायं 5.00 बजे तक

स्थानः आर्य समाज दीवान हॉल, चांदनी चौक, दिल्ली-6 (लाल किला के सामने)

यज्ञः **प्रातः 9.00 से 10.00 बजे तक - ब्रह्माः आचार्य बिद्युत् विद्यालंकार**

विशेष आकर्षण

- 500 आर्य युवाओं का सामुहिक यज्ञोपवात संस्कार- आर्य दीक्षा समारोह
- 500 आर्य युवकों/युवतियों द्वारा भव्य योगासन व व्यायाम प्रदर्शन
- राष्ट्र की ज्वलन्त समस्याओं व आर्य समाज की भूमिका पर वैदिक विद्वानों के ओजस्वी विचार
- देश के विभिन्न प्रान्तों से चुने हुए आर्य युवा प्रतिनिधियों का भव्य समागम

मिशन 25: यानि 12 से 25 वर्ष तक के युवाओं को आर्य समाज के साथ जोड़ने का अभियान

प्रातः राशः प्रातः 8 से 10 तक, ऋषि लंगर 1 से 2 तक, जलपानः सायं 5.00 से 5.30 तक

आशीर्वादः **सर्वश्री आनन्द चौहान, दर्शन अग्निहोत्री, मायाप्रकाश त्यागी, राजीवकुमार परम, कृष्णगोपाल दीवान, डॉ. डी.के. गर्ग, यशपाल चावला, तिलक चान्दना, नरेन्द्र आर्य सुमन, के. एल. पुरी, रवि चड्डा, जितेन्द्र डावर, चौ. ब्रह्मप्रकाश मान, नवीन रहेजा, अमित मान, डॉ. लाजपत राय आर्य, रविदेव गुप्ता, राजीव आर्य, प्रवीन भाटिया, पं. रामगोपाल शर्मा, राजेन्द्र खारी, सत्यवीर चौधरी, डॉ. गजराज सिंह आर्य, पी.के. मित्तल, जयप्रकाश आर्य, वीरेश भाटी, टी. आर. गुप्ता, रमेश कुमारी भारद्वाज, अमरनाथ गोगिया, ईश कुमार गक्खड़, लक्ष्मण पाहुजा, मनोहरलाल चावला, हरिचन्द स्नेही, पुष्पलता वर्मा**

आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं

: निवेदक :

डॉ. अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष	**महेन्द्र भाई** राष्ट्रीय महामन्त्री	**यशोवीर आर्य** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**कृष्णचन्द पाहुजा** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**सत्यभूषण आर्य** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**डॉ. रविकान्त** स्वागताध्यक्ष
धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	**सुभाष बब्बर** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**दुर्गेश आर्य** वरिष्ठ मंत्री	**स्वतन्त्र कुकरेजा** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**आनन्दप्रकाश आर्य** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**रामकुमार सिंह** प्रान्तीय संचालक
सौरभ गुप्ता प्रधान शिक्षक	**देवेन्द्र भगत** प्रैस सचिव	**प्रवीण आर्य, सुरेश आर्य** राष्ट्रीय मन्त्री	**राकेश भटनागर** राष्ट्रीय मंत्री	**वीरेन्द्र योगाचार्य** राष्ट्रीय मन्त्री	**अरुण आर्य** प्रान्तीय महामन्त्री

स्वागत समितिः **सर्वश्री वेदप्रकाश आर्य, विश्वनाथ आर्य, सूर्यदेव आर्य, योगेन्द्र शास्त्री, रामकृष्ण शास्त्री, सुशील आर्य, ओमबीर सिंह, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्करणा, गायत्री मीना, विजयारानी शर्मा, हरिमोहन शर्मा बब्बु, ईश आर्य, शिवम मिश्रा, माधव सिंह, कै. अशोक गुलाटी, ओम सपरा, संजीव सेठी, सोहनलाल मुखी, अमीरचन्द रखेजा, पी.के. सचदेवा, अमरसिंह सेहरावत, सुरेन्द्र शास्त्री, रमेश गाडी, चत्तर सिंह नागर, विनोद कद, ओमप्रकाश पाण्डेय, यशपाल यश, विकास गोगिया, संतोष शास्त्री, जितेन्द्रसिंह आर्य**

केन्द्रीय कार्यालयः आर्य समाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007
E-mail: aryayouthn@gmail.com, dkbhagat@gmail.com | Website: www.aryayuvakparishad.com.
join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/ दूरभाषः 9810117464, 9312406810, 9971467978

जहां नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद् है उसका नाम...

गोरक्षा आन्दोलन के आद्य प्रवर्तक ऋषि दयानन्द

— मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

ऋषि दयानन्द ने गोरक्षार्थ गोहत्या बन्द किये जाने के पक्ष में गोकरुणानिधि नामक एक लघु पुस्तिका लिखी है। यह पुस्तक अपने विषय की गागर में सागर के समान पुस्तक है। इस पुस्तक से हम ऋषि दयानन्द के कुछ विचार प्रस्तुत कर रहे है। ऋषि दयानन्द लिखते हैं कि 'वे धर्मात्मा, विद्वान लोग धन्य हैं, जो ईश्वर के गुण–कर्म, स्वभाव, अभिप्राय, सृष्टि–क्रम, प्रत्यक्षादि प्रमाण और आप्तों के आचार से अविरुद्ध चलके सब संसार को सुख पहुंचाते हैं और शोक है उन पर जो कि इनसे विरुद्ध स्वार्थी, दयाहीन होकर जगत् की हानि करने के लिए वर्तमान हैं। पूजनीय जन वो हैं जो अपनी हानि हो तो भी सबका हित करने में अपना तन, मन, धन, सब कुछ लगाते हैं और तिरस्करणीय वे हैं जो अपने ही लाभ में सन्तुष्ट रहकर अन्य के सुखों का नाश करते हैं।'

सृष्टि में ऐसा कौन मनुष्य होगा जो सुख और दुःख को स्वयं न मानता हो? क्या ऐसा कोई भी मनुष्य है कि जिसके गले को काटे वा रक्षा करे, वह दुःख और सुख को अनुभव न करे? जब सबको लाभ और सुख ही में प्रसन्नता है, तब बिना अपराध किसी प्राणी का प्राण वियोग करके अपना पोषण करना सत्पुरुषों के सामने निन्द्य कर्म क्यों न होवे? सर्वशक्तिमान् जगदीश्वर इस सृष्टि में मनुष्यों की आत्माओं में अपनी दया और न्याय को प्रकाशित करे कि जिससे ये सब दया और न्याययुक्त होकर सर्वदा सर्वोपकारक काम करें और स्वार्थपन से पक्षपातयुक्त होकर कृपापात्र गाय आदि पशुओं का विनाश न करें कि जिससे दुग्ध आदि पदार्थों और खेती आदि क्रिया की सिद्धि से युक्त होकर सब मनुष्य आनन्द में रहें।

ऋषि दयानन्द बताते हैं कि सृष्टि के सभी पदार्थों को ईश्वर ने जिन प्रयोजनों के लिए बनाया है उनसे वही उपयोग लेना उचित है। इस संबंध में वह लिखते हैं कि सर्वशक्तिमान् जगदीश्वर ने इस सृष्टि में जो–जो पदार्थ बनाये हैं, वे–वे निष्प्रयोजन नहीं, किन्तु एक–एक वस्तु अनेक–अनेक प्रयोजन के लिए रचा है, इसलिए उनसे वही प्रयोजन लेना न्याय है, अन्यथा अन्याय। देखिए, जिस लिए नेत्र बनाया है, इससे वही कार्य लेना उचित होता है, न कि उससे पूर्ण प्रयोजन न लेकर बीच ही में नष्ट कर दिया जावे। क्या जिन–जिन प्रयोजनों के लिए परमात्मा ने जो–जो पदाथ बनाये हैं, उन–उनसे वे–वे प्रयोजन न लेकर उनको प्रथम ही नष्ट कर देना सत्पुरुषों के विचार में बुरा कर्म नहीं है? पक्षपात छोड़कर देखिए, गाय आदि पशु और कृषि आदि कर्मों से सब संसार को असंख्य सुख प्राप्त होते हैं वा नहीं? जैसे दो और दो चार (होते हैं), वैसे ही सत्यविद्या से जो–जो विषय जाने जाते हैं, वे (परिणाम व निष्कर्ष) अन्यथा कभी नहीं हो सकते। गोरक्षा से बैलों की संख्या में वृद्धि होकर अन्न का उत्पादन भी अधिक होता है। दुग्ध व अन्न का अधिक उत्पादन होने से यह पदार्थ सस्ते सुलभ होते हैं जिससे निर्धन लोगों को सस्ता भोजन उपलब्ध होने से वह लाभान्वित होते हैं। आज देश की आधी व उससे कुछ कम आबादी जो अन्न व अर्थ के अभाव में भूखी सोती है उसका हमारी दृष्टि में प्रमुख कारण भी गोरक्षा विरोधी सरकारी नीतियां व देशवासियों के गोहत्या व गोमांसाहार आदि कार्य हैं। ऋषि के अनुसार गोदुग्ध की प्रचुरता से अन्न कम खाने से वायु व जल सहित सृष्टि का प्रदुषण भी कम होता है। इस विषय पर प्रकाश डालते हुए वह लिखते हैं कि यजुर्वेद के प्रथम ही मन्त्र में परमात्मा की आज्ञा है कि–'अघ्न्या', 'यजमानस्य पशून् पाहि' हे मनुष्य ! तू पशुओं को कभी मत मार, और यजमान, अर्थात् सबको सुख देनेवाले मनुष्यों के सम्बन्धी पशुओं की रक्षा कर, जिनसे तेरी भी पूरी रक्षा होवे, इसी लिए ब्रह्मा से लेके आज पर्यन्त आर्य लोग पशुओं की हिंसा में पाप और अधर्म समझते थे और उनकी रक्षा से अन्न भी महंगा नहीं होता, क्योंकि दूध–आदि के अधिक होने से दरिद्र को भी खान–पान में मिलने पर न्यून ही अन्न खाया जाता है और अन्न के न्यून खाने से मल भी कम होता है। मल के न्यून होने से दुर्गन्ध भी न्यून होता है, दुर्गन्ध के स्वल्प होने से वायु और वृष्टिजल की अशुद्धि (वा प्रदुषण) भी न्यून होती है, उससे रोगों की न्यूनता होने से सबका सुख बढ़ता है।

ऋषि दयानन्द गोरक्षा को राष्ट्र की रक्षा मानते थे और इनकी हत्या होने से राजा और प्रजा का नाश होना मानते थे। सभी पशुओं की रक्षा के लिए उन्होंने ईश्वर से मार्मिक प्रार्थना की है। गोकरुणानिधि में इसका उल्लेख करते हुए वह लिखते हैं कि यह ठीक है कि गो आदि पशुओं का नाश होने से राजा और प्रजा का भी नाश हो जाता है, क्योंकि जब पशु न्यून होते हैं, तब दूध आदि पदार्थ और खेती आदि कर्मों की भी घटती होती है। देखो, इसी से जितने मूल्य से जितना दूध और घी आदि पदार्थ तथा बैल आदि पशु सात सौ वर्ष पूर्व मिलते थे, उतना दूध, घी और बैल आदि पशु इस समय दश गुणे मूल्य से भी नहीं मिल सकते, क्योंकि सात सौ वर्ष के पीछे इस देश में गवादि पशुओं को मारनेवाले मांसाहारी विदेशी मनुष्य आ बसे हैं। वे उन सर्वोपकारी पशुओं के हाड़–मांस तक भी नहीं छोड़ते, तो 'नष्टे मूले नैव फलं न पुष्पम्', जब कारण का नाश कर दें तो कार्य नष्ट क्यों न हो जावे? हे मांसाहारियों! तुम लोगों को कुछ काल के पश्चात् जब पशु न मिलेंगे, तब मनुष्यों का मांस भी छोड़ोगे वा नहीं? हे परमेश्वर ! तू क्यों इन पशुओं पर, जो कि बिना अपराध मारे जाते हैं, दया नहीं करता? क्या उन पर तेरी प्रीति नहीं है, क्या उनके लिए तेरी न्याय सभा बन्द हो गई है? क्यों उनकी पीड़ा छुड़ाने पर ध्यान नहीं देता, और उनकी पुकार नहीं सुनता? क्यों इन मांसाहारियों की आत्माओं में दया का प्रकाश कर निष्ठुरता, कठोरता, स्वार्थपन और मूर्खता आदि दोषों को दूर नहीं करता, जिससे ये इन बुरे कर्मों से बचें।

गोकरूणानिधि पुस्तक के अन्त में ऋषि दयानन्द लिखते हैं कि जैसा दुःख–सुख अपने को होता है, वैसा ही औरों को भी समझा कीजिए और यह भी ध्यान में रखिए कि वे पशु आदि और उनके स्वामी तथा खेती आदि कर्म करनेवाले प्रजा के पशु आदि और मनुष्यों के अधिक पुरुषार्थ ही से राजा का ऐश्वर्य अधिक बढ़ता और न्यून से नष्ट हो जाता है, इसीलिए राजा प्रजा से कर लेता है कि उनकी रक्षा यथावत् करे, न कि राजा और प्रजा के जो सुख के कारण गाय आदि पशु हैं उनका नाश किया जावे, इसलिए आज तक जो हुआ सो हुआ, आगे आंखें खोलकर सबके हानिकारक कर्मों को न कीजिए और न करने दीजिए। हां, हम लोगों का यही काम है कि आप लोगों को भलाई और बुराई के काम जता देवें और आप लोगों का यही काम है कि पक्षपात छोड़ सबकी रक्षा और बढ़ती करने में तत्पर रहें। सर्वशक्तिमान् जगदीश्वर हम और आप पर पूर्ण कृपा करें कि जिससे हम और आप लोग विश्व के हानिकारक कर्मों को छोड़ सर्वोपकारक कामों को करके सब लोग आनन्द में रहें। इन सब बातों को सुन मत डालना, किन्तु सुन रखना, उन अनाथ पशुओं के प्राणों को शीघ्र बचाओ। हे महाराजाधिराज जगदीशवर ! जो इनको कोई न बचावे तो आप इनकी रक्षा करने और हमसे कराने में शीघ्र उद्यत हूजिए।

ऋषि दयानन्द ने 24 फरवरी, सन् 1881 को गोकरूणानिधि ग्रन्थ की रचना की थी। उन्होंने गोहत्या बन्द करने के लिए देश व्यापी आन्दोलन भी चलाया था। इस विषय पर पं. युधिष्ठिर मीमांसक जी ने अपनी पुस्तक 'ऋषि दयानन्द के ग्रन्थों का इतिहास' में प्रकाश डाला है। वह लिखते हैं कि करुणानिधि दयामय दयानन्द ने अपने कार्यकाल में गौ आदि मूक प्राणियों की रक्षार्थ महान आन्दोलन किया था। वायसराय तथा भारत सरकार के पास दो करोड़ भारतवासियों के हस्ताक्षरों से युक्त प्रार्थना पत्र भेजने के लिए भी बहुत उद्योग किया था। इसके लिए अनेक सज्जनों को पत्र भी लिखे थे। पं. देवेन्द्रनाथ मुखोपाध्याय लिखित उनके प्रमाणिक जीवन चरित से विदित होता है कि गोहत्या बन्द करने के लिए उनके प्रार्थनारूपी मैमोरेण्डम पर उदयपुर के महाराजणा श्री सज्जनसिंह, जोधपुर नरेश महाराज यशवन्तसिंह, शाहपुराधीश नाहरसिंह और महाराजा बूंदी ने भी हस्ताक्षर कर दिये थे। अनेक महानुभावों ने गोरक्षा के देशोन्नति के काम में बड़े उत्साहपूर्वक भाग लिया था। यह महान् उद्योग महर्षि के अकाल में काल–कवलित हो जाने से अधूरा रह गया। ऋषि दयानन्द के इस गोरक्षा व गोहत्या बन्दी आन्दोलन को भारत के इतिहास में प्रथम व अपूर्व आन्दोलन कहा जा सकता है।

वेद ईश्वरीय ज्ञान है जो सृष्टि के आरम्भ में ईश्वर द्वारा अमैथुनी सृष्टि में उत्पन्न चार ऋषियों के हृदय में दिया था। इसमें परमात्मा ने गाय को 'अघ्न्या' कहा है। इसका अर्थ होता है 'न मारने योग्य'। अतः ईश्वर ने ही वेद के द्वारा सृष्टि के आरम्भ में ही गोहत्या को प्रतिबन्धित किया था। गोहत्या करना ईश्वराज्ञा का उल्लंघन है, अशुभ व पापकर्म है एवं दण्डनीय है। आश्चर्य है कि महाभारत युद्ध के परवर्ती लोगों ने अपनी अविद्या व मूर्खता से इस महान् उपकारी पशु की हत्या कर उसके मांस का खाना आरम्भ किया और अब अनेक तथ्यों के प्रकाश में आने पर भी वह अपने इस घृणित स्वाद को छोड़ नहीं रहे हैं। महर्षि दयानन्द ने गोकरुणानिधि पुस्तक में गाय की एक पीढ़ी से प्राप्त दुग्ध व बैलों की सहायता से उत्पन्न खाद्यान्न की गणितीय रीति से गणना कर सिद्ध किया है कि इससे 4,10,440 लोगों का एक समय का भोजन हो सकता है जबकि एक गाय के मांस से एक समय में कुछ सौ मनुष्यों की ही क्षुधा शान्त होती है। महर्षि दयानन्द ने गोकरुणानिधि पुस्तक में भैंस, ऊंटनी, भेड़, बकरी व मोर आदि की भी चर्चा की है और इनकी व अन्य सभी पशुओं की रक्षा की वकालत की है। बकरी की एक पीढ़ी से होने वाले मनुष्यों के एक समय के भोजन की गणना कर उन्होंने 25,920 मनुष्यों का एक दिन में पालन होना लिखा है। गोकरुणानिधि में ही दिये गये ऋषि के मार्मिक वचनों को लिखने का लोभ भी छोड़ नहीं कर पा रहे हैं। वह लिखते हैं कि देखिए, जो पशु निःसार घास–तृण, पत्ते, फल–फूल आदि खावें और दुग्ध आदि अमृतरूपी रत्न देवें, हल–गाड़ी आदि में चलके अनेकविध अन्न आदि उत्पन्न कर, सबके बुद्धि, बल, पराक्रम को बढ़ाके नीरोगता करें, पुत्र–पुत्री और मित्र आदि के समान मनुष्यों के साथ विश्वास और प्रेम करें, जहां बांधे वहां बंधे रहें, जिधर चलावें उधर चलें, जहां से हटावें वहां से हट जावें, देखने और बुलाने पर समीप चले आवें, जब कभी व्याघ्रादि पशु वा मारनेवाले को देखें, अपनी रक्षा के लिए पालन करनेवाले के समीप दौड़कर आवें कि यह हमारी रक्षा करेगा। जिसके मरे पर चमड़ा भी कण्टक आदि से रक्षा करे, जंगल में चरके अपने बच्चे और स्वामी के लिए दूध देने के नियत स्थान पर नियत समय पर चलें आवें, अपने स्वामी की रक्षा के लिए तन–मन लगावें, जिनका सर्वस्व राजा और प्रजा आदि मनुष्य के सुख के लिए है, इत्यादि शुभगुणयुक्त, सुखकारक पशुओं के गले छुरों से काटकर जो मनुष्य अपना पेट भर, सब संसार की हानि करते हैं, क्या संसार में उनसे भी अधिक कोई विश्वासघाती, अनुपकारक, दुःख देने वाले और पापी मनुष्य होंगे?

ऋषि दयानन्द गोरक्षा व गोहत्या बन्द कराने के आद्य प्रवर्तक थे। आज देश के बड़े नेता जब गोरक्षा के समर्थन में बोलते हैं तो वह गोरक्षा के समर्थक राजनीतिक व सामाजिक नेताओं के नाम तो लेते हैं परन्तु जाने व अनजाने ऋषि दयानन्द के गोरक्षा के लिए योगदान की उपेक्षा करते हैं। गोरक्षा विषयक अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां हम इस लेख के विस्तार के कारण नहीं दे पा रहे हैं। अन्य लेख के माध्यम से हम उसे प्रस्तुत करेंगे। इस विषय में हमारे सामने देशभक्त व गोरक्षक श्री राजीव दीक्षित का सुप्रीम कोर्ट में गोरक्षा विषयक दिये गये तथ्य व कोर्ट का 26–10–2005 का आदेश है जो गोरक्षा के पक्ष में है। हमने कभी नेताओं के मुख न मीडिया से इसकी चर्चा सुनी। इसका कारण भी उनकी जाने अनजाने उपेक्षा व स्वार्थ को प्रदर्शित करता है। इनके लिए अपना स्वार्थ हित सर्वोपरि होता है।

196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः 09412985121

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य के नेतृत्व में

युवा संस्कार व वैदिक धर्म दीक्षा

ओ३म्
बलमुपास्व

गांव, गली, चौराहे पर, घर-घर यज्ञ रचायेंगे, धरती को स्वर्ग बनायेंगे
जहां नहीं होता कभी विश्राम • आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

12 से 25 वर्ष तक के 10,000 युवाओं को यज्ञोपवीत से दीक्षित करने का अभियान

12 दिन में 61 कार्यक्रम : दिनांक 10 अगस्त 2017 से 21 अगस्त 2017 तक

1. **वीरवार, 10 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
स्थान: श्री कृष्ण आर्ष गुरुकुल, गौमत, जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संयोजक: स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती - 9416267482

2. **वीरवार, 10 अगस्त 2017, प्रातः 11 बजे**
स्थान: आर्य समाज बागेश्वर, उत्तराखण्ड
संयोजक: श्री गोविन्द सिंह भण्डारी-9412930200

3. **बृहस्पतिवार, 10 अगस्त 2017, सायं 6 बजे**
स्थान: आर्य समाज टैगोर गार्डन विस्तार, ए.डी. 17-18, दिल्ली-110027
संयोजक: श्री अशोक आर्य, श्री संदीप कुमार आर्य, पं. सुरेश झा
संम्पर्क: 9999119060, 9811035407, 9871208423

4. **शुक्रवार, 11 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
स्थान: आर्य समाज टीला, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र.
अजय आर्य-9312682559, यश-8802108848, कृष्णपाल, सत्यप्रकाश आर्य

5. **शुक्रवार, 11 अगस्त 2017, सायं 5 बजे**
स्थान: आर्य समाज बांकनेर (नरेला) दिल्ली - 110040
संयोजक: आनन्दप्रकाश आर्य-9213920964, अनुज-9716114610

6. **शनिवार, 12 अगस्त 2017, प्रातः 7:30 बजे**
स्थान: आर्य समाज पटेल नगर (कैम्प) हिसार, हरियाणा
संयोजक: श्री ईश कुमार आर्य-9996541061

7. **शनिवार, 12 अगस्त 2017, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान: विजय हाई स्कूल, सिक्का कॉलोनी, सोनीपत, हरियाणा
संयोजक: शालिनी-जितेन्द्र चावला, श्री मनोहरलाल चावला
सम्पर्क: 09813442701, 09813514699

8. **शनिवार, 12 अगस्त 2017, प्रातः 8:00 बजे**
स्थान: आर्य समाज अरनियां खुर्द, अलीगढ़ उ. प्र.
संयोजक: यज्ञवीर चौहान सम्पर्क: 9810493055, योगेन्द्र आर्य, शिशुपाल

9. **शनिवार, 12 अगस्त 2017, प्रातः 10 से 12 बजे तक**
स्थान: होली चाइल्ड कॉनवेन्ट स्कूल, बैसला कम्पलेक्स, जी-ब्लॉक,
मोलड बन्द विस्तार, 40 फुट रोड, दिल्ली-44
संयोजक: श्री सुभाष बैसला, श्री सुशील आर्य (9810129235)

10. **शनिवार, 12 अगस्त 2017, सायं 5.00 बजे**
आर्य समाज, स्वामी श्रद्धानन्द पार्क, धलस्वा डेयरी, दिल्ली-110042
संयोजक: श्री नन्दलाल शास्त्री, श्री हरपाल प्रधान, श्री मुन्ना चौधरी
सम्पर्क: 09868558698, 8470857074

11. **शनिवार, 12 अगस्त 2017, सायं 7 बजे**
स्थान: चौक ईस्ट पार्क रोड, करोलबाग, दिल्ली-5
संयोजक: गोपाल जैन-9810756571, प्रदीप गोगिया-8800550785

12. **रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 7:30 बजे**
स्थान: आर्य समाज संदेश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली-34
संयोजक:डॉ.विशाल आर्य, अनिता आनन्द, दुर्गेशआर्य, देवमित्र आर्य, वरुण आर्य
सम्पर्क: 9968850921, 9868664800, 9313199062

13. **रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 8:30 बजे**
स्थान: आर्य समाज, बुढ़िया, जिला-यमुनानगर, हरियाणा
संयोजक: श्री राकेश ग्रोवर-94160388788

14. **रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
बी-41/1 ईस्ट ज्योतिनगर, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा, दिल्ली
संयोजक: श्री वेदप्रकाश आर्य, देवप्रिय आर्य, रामदेव, प्रभुनाथ सिंह
संम्पर्क: 09810487559, 9990098694

15. **रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
स्थान: आर्य समाज हापुड़, उत्तर प्रदेश
संयोजक: श्री आनन्द प्रकाश आर्य, श्री विकास अग्रवाल, श्री नरेन्द्र आर्य
सम्पर्क: 09837086799, 9837791132

16. **रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 8:00 बजे**
स्थान: डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, बहरोड़, जिला अलवर,
संयोजक: रामकृष्ण शास्त्री- 9461405709

17. **रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 8:00 बजे**
स्थान: आर्य समाज, जी.टी. रोड, फिरोजपुर छावनी, पंजाब
संयोजक: श्री विजय आनन्द-9501130661, श्री मनोज आर्य-9888529027

18. **रविवार, 13 अगस्त 2017, प्रातः 6:30 से 9:00 बजे तक**
स्थान: वैदिक संस्कार वाटिका, आर्य गर्ल्स स्कूल, पठानकोट, पंजाब
संयोजक: डॉ. सुधीर गुप्ता-9878777811, श्री अशोक आर्य, पंकज तुली

19. **रविवार, 19 अगस्त 2017, प्रातः 9 बजे**
स्थान: ओ-21, सैक्टर-1, बवाना, उद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली
संयोजक: प्रभुनाथ सिंह-9718756148, पप्पु यादव, झूलन यर्जा

20. **रविवार, 13 अगस्त 2017, सायं 4 बजे**
विपिन गार्डन पार्क, मेट्रो पिलर-799, द्वारका मोड़, दिल्ली
संयोजक: श्री मानवेन्द्र शास्त्री-9213326949, ओमवीर सिंह, केशव, गौरव झा

21. **सोमवार, 14 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
आर्य समाज, प्रताप नगर (अन्धा मुगल), दिल्ली-110007
संयोजक: श्री केवलकृष्ण सेठी, पी.डी. शर्मा, गुलशन कुमार
सम्पर्क: 7859958332, 23690497

22. **सोमवार, 14 अगस्त 2017, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान: आर्य समाज, शान्ति नगर, सोनीपत, हरियाणा
संयोजक: श्री हरिचन्द स्नेही-9315639631, मनोज चावला-9812150947

24. **सोमवार, 14 अगस्त 2017, प्रातः 9 बजे**
स्थान: आर्य समाज, ढिकौली, बागपत, उ. प्र.
संयोजक: श्री चिनोद आर्य-9675815500, लाखनसिंह, दामोदर आर्य

23. **सोमवार, 14 अगस्त 2017, सायं 4:00 बजे**
स्थान: आर्य समाज मोती बाग, नई दिल्ली-21
संयोजक: महावीरसिंह आर्य (9313147244), दयानन्द शास्त्री, सुरेन्द्र गुप्ता

25. **सोमवार, 14 अगस्त 2017, सायं 5 बजे**
स्थान: आर्य समाज जवाहर नगर (कैम्प) पलवल, हरियाणा
संयोजक: प्रो. जयप्रकाश आर्य-9813491919, वी.के. आर्य, दिनेश आर्य

26. **मंगलवार, 15 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
शक्ति पीठ पब्लिक स्कूल, एस.जी.एम. नगर, सै. 48, फरीदाबाद
संयोजक: श्रीमती ज्योति आर्या, श्री सत्यभूषण आर्य-09818897097

27. **मंगलवार, 15 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
स्थान: आर्य समाज लाजपत नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद
संयोजक: श्री के.के. यादव, प्रमोद चौधरी, रमेश आर्य, सुरेश आर्य
सम्पर्क: 09312248396, 9873391114, 9810189585

28. **मंगलवार, 15 अगस्त 2017, प्रातः 8:30 बजे**
स्थान: सत्यार्थ भवन, रादौर, जिला यमुना नगर, हरियाणा
संयोजक: सौरभ आर्य-9813739000

29. **मंगलवार, 15 अगस्त 2017, प्रातः 10 बजे**
स्थान: आर्य समाज वजीरपुर जे.जे. कॉलोनी, दिल्ली-52
संयोजक: श्री प्रेमपाल शास्त्री, भूदेव आर्य, संतोष शास्त्री, वीरेश आर्य
संम्पर्क: 09868977371, 9868754140, 9868992898

30. **मंगलवार, 15 अगस्त 2017, प्रातः 11 से सायं 5 बजे तक**
स्थान: आर्य समाज सूर्य निकेतन, विकास मार्ग, दिल्ली-110092
संयोजक: श्री यशोवीर आर्य-9312223472,शिवममिश्रा, दीपकआर्य, काशीराम

31. **बुधवार, 16 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
डीडीए, बालाजी पार्क, सेक्टर-3, द्वारका, नई दिल्ली-78
जीवन शास्त्री: 9868072383, रमेश योगाचार्य-9868899001

32. **बुधवार, 16 अगस्त 2017, सायं 5 बजे**
आर्य समाज महावीर नगर (तिलक नगर), नई दिल्ली-110018
संयोजक: श्री राजपाल पुलियानी, श्री दिनेश आर्य, श्री मायाराम शास्त्री
संम्पर्क: 011-25997960, 9213637558, 9873107410

33. **बुधवार, 16 अगस्त 2017, सायं 5 बजे**
स्थान: आर्यन क्लासेस 500/7 लेन नं. 5, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-32
संयोजक: श्री महेश भार्गव-9711086251

34. **बुधवार, 16 अगस्त 2017, प्रातः 8:30 बजे**
स्थान: डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, करनाल, हरियाणा
संयोजक: स्वतंत्र कुकरेजा-9813041360, अजय आर्य-9416128075

35. **वीरवार, 17 अगस्त 2017, प्रातः 8,30 बजे**
स्थान: श्रद्धा मन्दिर हाई स्कूल, सेक्टर-87, फरीदाबाद
संयोजक: डॉ. गजराजसिंह आर्य, **सम्पर्क-** 09213771515, 8750771515

36. **वीरवार, 17 अगस्त 2017, प्रातः 9:00 बजे**
स्थान: सरस्वती वरि. मा. विद्यालय, कबीरपुर सोनीपत, हरियाणा
संयोजक: रामफल दुल, मुकेश दुल - 9416540606

37. **वीरवार, 17 अगस्त 2017, सायं 3.00 बजे**
स्थान: आर्य समाज एन.एच.-3, एन.आई.टी., फरीदाबाद
संयोजक: जितेन्द्रसिंह आर्य-9210038065, सत्यपाल शास्त्री-9810464750

38. **शुक्रवार, 18 अगस्त 2017, प्रातः 8:00 बजे**
स्थान: राम विद्या मंदिर, खेड़ी गांव, ग्रेटर फरीदाबाद
संयोजक: श्री टीका राम

39. **शुक्रवार, 18 अगस्त 2017, प्रातः 9 बजे**
स्थान: कृष्णा इन्टरनेशनल स्कूल, महुआ, खेड़ा, आगरा, उ.प्र.
संयोजक: रामाकान्त सारस्वत-9719003853, चन्द्रकान्त, तुलसी राम

40. **शुक्रवार, 18 अगस्त 2017, प्रातः 9 बजे**
स्थान: डी.ए.वी.सी.से.स्कूल, यूसफ सराय, नई दिल्ली-49
संयोजक: श्री श्यामलाल आर्य-9811639930

41. **शुक्रवार, 18 अगस्त 2017, प्रातः 9:00 बजे**
स्थान: बी.एम. दयानन्द मॉडर्न स्कूल, मॉडल टाउन, सोनीपत
संयोजक: नीरू सरदाना - 9896677667, अर्जुन देव दुरेजा

42. **शुक्रवार, 18 अगस्त 2017, सायं 4 बजे**
डी-4 ब्लाक, एन.डी.पी.एल. ऑफिस जगदम्बा मार्केट,सुल्तान पुरी,दिल्ली-86
संयोजक: राधा भारद्वाज, दशरथ भारद्वाज, धर्मपाल आर्य (9871581398)
सम्पर्क: 09868026474, 07840861115

43. **शनिवार, 19 अगस्त 2017, प्रातः 8:00 बजे**
स्थान: रोटरी पब्लिक स्कूल, से.-19, फरीदाबाद,
संयोजक: प्रि. सुधा चौबे

44. **शनिवार, 19 अगस्त 2017, प्रातः 9 बजे**
स्थान: आर्य समाज नरवाना, जिला जीन्द, हरियाणा
संयोजक: श्री अश्वनी आर्य-9255422877, महावीर आर्य, सूर्यदेव आर्य

45. **शनिवार, 19 अगस्त 2017, प्रातः 8:30 बजे**
स्थान: राजकीय वरिष्ट माध्यमिक विद्यालय, नुना माजरा, बहादुरगढ़
संयोजक: श्री कृष्ण दहिया-9812781154, लक्ष्यपाल जी-9354222874

46. **शनिवार, 19 अगस्त 2017, प्रातः 9 बजे**
स्थान: आर्य विद्यापीठ, पवनावा, कैथल, हरियाणा
संयोजक: श्री राजेश्वर मुनि-9896960064, श्री कमलसिंह आर्य

47. **शनिवार, 19 अगस्त 2017, प्रातः 9 बजे**
स्थान: मूर्तिदेवी आर्य पब्लिक स्कूल, के-160 जहांगीरपुरी, दिल्ली-33
संयोजक: श्री राजेन्द्र आर्य, **सम्पर्क:** 9899371842, 9868227191

48. **शनिवार, 19 अगस्त 2017, प्रातः 9:00 बजे**
स्थान: बाल विद्या निकेतन, सेक्टर-12, पेट्रोलपम्प, सोनीपत
संयोजक: पवन दहिया- 9215535882

49. **शनिवार, 19 अगस्त 2017, दोपहर 12 बजे**
स्थान: जी.एल. सैनी नर्सिंग कॉलेज, जयपुर, राजस्थान
संयोजक: डॉ. प्रमोदपाल, श्री यशपाल यश-9414360248

50. **शनिवार, 19 अगस्त 2017, सायं 4.00 बजे**
स्थान: मकान नं. 51, शिवपुरी, समयपुर, दिल्ली-110042
संयोजक: श्री कमल आर्य, **सम्पर्क:** 9968519292, 9587371404

51. **शनिवार, 19 अगस्त 2017, सायं 5.00 बजे**
स्थान: श्री साई मंदिर, बाबा कॉलोनी, बुराड़ी, दिल्ली-110084
संयोजक: श्री राधाकान्त शास्त्री - 9868925375

52. **रविवार, 20 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
स्थान: आर्य समाज, सेवा संस्थान, बहाराबाद, अतरौली, अलीगढ़, उत्तरप्रदेश
संयोजक: ओमवती देवी, सुरेशचन्द, लोकेश आर्य-9634426300

53. **रविवार, 20 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
स्थान: टीनू पब्लिक स्कूल, संगम विहार, दिल्ली-110062
देवदत्त आर्य-9810323883, रामफल खर्ब-9999162077, के.एल. राणा

54. **रविवार, 20 अगस्त 2017, प्रातः 8 बजे**
स्थान: रमेश जनरल स्टोर, दीघरा चौक, समस्तीपुर, बिहार
सुरेश प्रसाद-9582415761, गौरव गुप्ता, सम्पर्क: 8800979651

55. **रविवार, 20 अगस्त 2017, प्रातः 9 बजे**
आर्य समाज जानीपुर कालोनी जम्मु, संयोजक: सुभाष बब्बर-9419301915

56. **रविवार, 20 अगस्त 2017, प्रातः 9.00 बजे**
आर्य समाज शाहबाद मुहम्मदपुर, सामने इन्द्रा गांधी एयरपोर्ट, नई दिल्ली
डॉ. मुकेश सुधीर-9268103480, श्री जगवीरसिंह आर्य-9350099545

57. **रविवार, 20 अगस्त 2017, प्रातः 10.00 बजे**
आर्य समाज संचार नगर, इन्दौर, मध्यप्रदेश
संयोजक: आचार्य भानूप्रताप वेदालंकार-9977987777

58. **रविवार, 20 अगस्त 2017, सायं 4 बजे**
स्थान: आर्य समाज, नया आर्य नगर, गाजियाबाद
प्रवीणआर्य-9911404423, पिन्टु-9654876031, शिवकान्त-7531971436

59. **रविवार, 20 अगस्त 2017, सायं 5 बजे**
स्थान: जी-87, पार्क, मंगोलपुरी, दिल्ली-83
संयोजक:जगदीशशरण आर्य:9268342390,जयप्रकाश,महेन्द्र टांक:9868995977

60. **रविवार, 20 अगस्त 2017, दोपहर 12 से 2 बजे तक**
स्थान: आर्य समाज देव नगर, आनन्द पर्वत, दिल्ली-5
सुशील बाली (9811213138), राकेश आर्य (7053537650), गौरव आर्य

61. **सोमवार, 21 अगस्त 2017, प्रातः 9:00 बजे**
स्थान: सरस्वती शिशु सी.से.स्कूल, मुरथल रोड, सोनीपत
संयोजक: सुखप्रिय शास्त्री, दीपक कुमार-9992341515, 9255521868

62. **सोमवार, 21 अगस्त 2017, सायं 6:00 बजे**
स्थान: पुष्पा सदन, एन-22, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
संयोजक: श्री ओम सपरा-9818180932, श्री विजय सपरा-9899292223

सभी स्थानों पर यज्ञ, भजन, प्रवचन व यज्ञोपवीत संस्कार के कार्यक्रम होंगे सभी आर्य जनों, धर्म प्रेमी बन्धुओं व अभिभावकों से अनुरोध है कि अपने निकट के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर युवाओं का उत्साहवर्धन करें

महेन्द्र भाई	रामकुमारसिंह आर्य	अरुण आर्य	आचार्य गवेन्द्र शास्त्री	शिशुपाल आर्य	सौरभ गुप्ता
मुख्य संयोजक	प्रान्तीय संचालक	प्रान्तीय महामंत्री	प्रान्तीय प्रभारी	प्रान्तीय उपसंचालक	प्रधान शिक्षक
011-22328595	9868064422	9818530543	9810884124	9971550031	9971467978

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, फोन - 9810117464, 9013137070, 9312406810

18वें कारगिल विजय दिवस पर ''शहीद स्मृति यज्ञ ''जन्तर मन्तर'' पर सम्पन्न

चीन के सामान का बहिष्कार व सरकारी ठेके रद्द करो-डा.अनिल आर्य,राष्ट्रीय अध्यक्ष

बुधवार, 26 जुलाई 2017, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में 18वें ''कारगिल विजय दिवस'' के अवसर पर ''जन्तर मन्तर'' पर परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य के नेतृत्व में ''शहीद स्मृति यज्ञ'' का आयोजन कर कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सैंकड़ों आर्य समाजियों ने पहुॅच कर देश की एकता व अखण्डता की रक्षा का संकल्प लिया और चीन के सामान का बहिष्कार करने की अपील की।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि जब यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत में आंतकवादी गतिविधियों में व कश्मीर में अलगाववाद के पीछे पाकिस्तान प्रायोजित आंतकवाद का हाथ है, अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि अब पाकिस्तान को उसकी भाषा में ही कठोरता से जवाब दिया जाये। समय की मांग है कि सरकार आंतकवादियों व उनके मददगारों को सख्ती से कुचले, देश की रक्षा की कीमत पर कोई समझौता नहीं हो सकता। आंतकवादियों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी जाये। उन्होंने कहा कि आंतकवाद की जननी पाकिस्तान जब तक दुनियां के नक्शे में रहेगा, तब तक विश्व में शान्ति स्थापित नहीं हो सकती। डा.आर्य ने केन्द्र सरकार से मांग की कि कारगिल के शहीदों की याद में दिल्ली में एक भव्य स्मारक बनाया जाये, जिससे उनके बलिदान से नयी युवा पीढ़ी प्रेरणा ले सके व केन्द्र सरकार से मांग की गई कि भारत में चीन के ठेके रद्द किये जाये।

आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि कारगिल के शहीदों का बलिदान तभी सार्थक होगा जब हम पुनः वैसी परिस्थितियां न बनने दें। सरकार को पाकिस्तान पर कदापि भरोसा नहीं करना चाहिये। हमारी सहनशीलता को कमजोरी समझ लिया जाता है अतः पाकिस्तान को मुंह तोड़ उतर दिया जाये।

दिल्ली प्रदेश संचालक रामकुमारसिंह आर्य ने शहीदों के जीवन चरित्र को पाठ्य पुस्तकों में पढ़ाये जाने व शहीदों के परिवारों को पूर्ण सम्मान देने की मांग की। परिषद् के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि शहीदों की अमानत है भारत की आजादी युवा शक्ति को उसे सम्भाल कर रखना होगा।

इस अवसर पर आर्य नेता रविन्द्र मेहता, देवेन्द्र भगत, प्रकाशवीर शास्त्री, कै.अशोक गुलाटी, शिवम मिश्रा, गौरव आर्य, प्रदीप आर्य, सुदेश भगत, सुषमा आर्या, वैशाली आर्या, देवदत्त आर्य, ओमवीर सिंह, हरिचन्द आर्य, अरूण आर्य, अमित आर्य आदि ने भी अपने विचार रखे। राष्ट्रपति व प्रधानमन्त्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया।

हापुड़ आर्य समाज व श्रीदेव गंगा तीर्थ गुरूकुल गढ़मुक्तेश्वर का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 23 जुलाई 2017,आर्य समाज,हापुड़ (उ.प्र.) के कार्यकम में आचार्य धर्मेन्द्र शास्त्री धर्माचार्य का अभिनन्दन करते परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य, प्रधान श्री आनन्दप्रकाश आर्य, मन्त्री श्री नरेन्द्र आर्य व श्री रामकुमार सिंह। द्वितीय चित्र-श्रीदेव गंगा तीर्थ गुरूकुल गढ़मुक्तेश्वर,उ.प्र. के वार्षिक यज्ञ-उत्सव में आचार्य विकास तिवारी का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, आचार्य अखिलेश्वर जी, श्री रामकुमारसिंह,डा.वाचस्पति कुलवन्त,डा.पवित्रा विद्यालंकार,सुरेश चुध,आर्य तपस्वी सुखदेव जी। छायाकार-साहिल,गौरव व वरूण।

''घर वापिसी नाटिका'' का मंचन व शिलर पब्लिक स्कूल में योग प्रतिस्पर्धा सम्पन्न

बुधवार, 26 जुलाई 2017,साहित्यकार श्री एन.के.धामा के निर्देशन में नई दिल्ली के श्री राम कला केन्द्र मंडी हाउस में घर वापिसी नाटिका का सुन्दर मंचन कर प्रेरणा देने का सुन्दर कार्य किया गया । इस अवसर पर 11 भाषाओं में ''सत्यार्थ प्रकाश'' का विमोचन करते डा.अनिल आर्य,श्री धर्मपाल आर्य,श्री सुनील चौहान,श्री एन.के.धामा,श्री विनय आर्य आदि-छायाकारः कामिनी झा। द्वितीय चित्र-शनिवार, 29 जुलाई 2017,शिलर सी.सै.स्कूल,राजनगर,गाजियाबाद में योग प्रतिस्पर्धाओं का सुन्दर आयोजन किया गया,चित्र में लाला ओमप्रकाश आर्य को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डा.अनिल आर्य,चेयरमैन श्री अजय गुप्ता,निदेशक श्रीमती प्रीति गुप्ता,प्रधानाचार्य श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव,श्री महेन्द्र भाई व प्रवीन आर्य। कुशल संचालन श्री सौरभ गुप्ता ने किया छायाकार-अमित-गौरव गुप्ता।

अपीलः केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता सं. **10205148690** स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली-110007, आई.एफ.एस. कोड **-SBIN0001280** पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9868002130** पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित।

– डा. अनिल आर्य, मो.09810117464

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. माता राजरानी घई (आर्य समाज, ग्रेटर कैलाश-1) का निधन।
2. श्रीमती विद्यावती जी (माता श्री योगेश आत्रेय, खेड़ाखुर्द) का निधन।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970